

लहर - 2

सेमिस्टर-1
द्वितीय भाषा हिंदी
कक्षा-7 की पाठ्य-पुस्तक

पाठ्य-पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्रीमति के.वेद्री सेल्वी, आई.ए.एस

कार्यकारी प्रधान आयोजक

अंग्रेजी माध्यम के विशेष अधिकारी

राज्य परियोजना निदेशक, पाठशाला शिक्षा, आंध्र प्रदेश

डॉ.बी.प्रताप रेड्डी

आयोजन प्रभारी

निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, आंध्र प्रदेश

श्री डी.मधुसूधनराव

निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, अमरावति, आंध्र प्रदेश

समन्वयक :

डॉ. के. सुब्रह्मण्यम

M.Sc., M.A., M.Ed., M.Phil, Ph.D

प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

संपादक मंडल :

प्रोफेसर एस.एम.इक्रबाल

अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, आंध्र विश्वविद्यालय,
विशाखपट्टणम

प्रोफेसर आर.एस.सर्गु

हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय,
हैदराबाद

डॉ. ओरुगंटी सीता राम मूर्ती

अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बी.बी.के कॉलेज,
विशाखपट्टणम

डॉ.वै.ललिता कुमारी

सहायक आचार्य, डी.बी.हेच.पी.एस बी.एड कॉलेज,
विजयवाडा

स्वीकृति :

प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हर्याणा

प्रोफेसर मोहन

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली



आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित, विजयवाडा

© Government of Andhra Pradesh, Amaravati.

New Impressions - 2021

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director, State Council of Educational Research and Training, Amaravati, Andhra Pradesh.

This Book has been printed on 70 G.S.M. SS Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

समग्र शिक्षा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण

Printed in India
at the Andhra Pradesh Govt. Text Book Press,
Amaravati,
Andhra Pradesh.

— o —

आमुख - 1

आंध्र प्रदेश में द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी भाषा का शिक्षण आरंभ होता है। सरकार की परिवर्तित शिक्षा नीति के अनुसार 2021-22 शैक्षिक वर्ष से सरकारी पाठशालाओं में 1-7 तक कक्षाओं में नई राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली लागू की गई। इसके अनुसार पाठ्य-पुस्तक का नया संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः बारह-तेरह की होती है। इस आयु में बालकों में अपने चारों ओर की वस्तुओं के विषय के प्रति आसीम जिज्ञासा होती है। इसलिये रोचक शैली में बालकों की कल्पना शक्ति को सृजनात्मकता की ओर अग्रसर करने की सामग्री देने का प्रयत्न किया गया।

बालक साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में भाषा को सीखते हैं। आर.टी.ई-2009, एन.सी.एफ-2005, एन.सी.एफ-2010 एवं एन.ई.पी-2019 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का निर्माण किया गया है। त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम से कम तीन भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। सातवीं कक्षा के स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना एवं मनोरंजक रूप से भाषाार्जन के लिए प्रेरित करना इस पाठ्य-पुस्तक का उद्देश्य है।

इस पाठ्य पुस्तक में रंग-विरंगे चित्रों के साथ कविताओं, चित्र-कहानी, जीवन की घटना, कहानी, पत्र लेखन को स्थान दिया गया है। उक्त सभी विषयों के साथ सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के अंतर्गत अभ्यास भी दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषा सीखने में सहायक होते हैं।

शिक्षा के द्वारा ही समाज का विकास साध्य होता है। इस तथ्य को माननेवाले आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय श्री. वै.एस.जगनमोहन रेड्डी जी, शिक्षा मंत्री महोदय श्री आदिमूलपु सुरेश जी सब को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सदा परिश्रम करते रहते हैं। इन दोनों को बहुत-बहुत धन्यवाद। पाठ्यपुस्तकों की तैयारी में अपनी मूल्यवान सूचनाएँ देते हुए, समीक्षा करते हुए हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करनेवाले पाठशाला शिक्षा मुख्य सचिव श्री बुडिति राजशेखर, आइ.ए.एस जी को, पाठशाला शिक्षा कमीशनर (आयुक्त) श्री वाड्रेवु चिनवीरभद्रुडु, आइ.ए.एस जी को, राज्य परियोजना निदेशक, अंग्रेजी माध्यम के विशेष अधिकारी श्रीमति के. वेट्रिसेल्वी, आइ.ए.एस जी को बहुत बहुत धन्यवाद।

“प्रो.लालचंद गुप्त मंगल” अधिष्ठाता कला एवं भाषा संकाय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, “प्रो.मोहन” हिंदी विभाग, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय आवश्यक सूचनाएँ देकर हमें मार्गदर्शन दिए हैं। उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, एन.सी.ई.आर.टी, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, विद्याभारती तथा अन्य सभी राज्य परिषदों तथा अन्य सभी जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
आंध्र प्रदेश

विषय समन्वयक

डॉ. शेक कालेशा बेगम, M.Sc, MA, MA, B.Ed, Ph.D

पाठ्यक्रम व पाठ्य-पुस्तक विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आँध्र प्रदेश

सहभागी गण

डॉ. भागवतुल मधुमती

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
गोरपल्ली, विशाखपट्टणम

पोरंकी नागराजु

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
कामवरपुकोटा, पश्चिम गोदावरी

शेक मुहम्मद यासीन

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
बुदिली, अनंतपुरम

डॉ. एम.खदीरुल्ला खान

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
कटिमायकुंटा, वै.एस.आर कडपा

के.स्वामिनाथन

राज्य संसाधक, सरकारी उच्च पाठशाला,
कोरुकोंडा, पूर्वी गोदावरी

सी.हेच.एम.सुधाकर

राज्य संसाधक, एम.पी.यू.पी. पाठशाला,
रेड्डीपल्ली, अनंतपुरम

देवरपल्ली कुमार

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
आई.अनंतराजु पेटा, वै.एस.आर कडपा

आई.संतोष कुमार

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
सुंदरापुरम, श्रीकाकुलम जिला

डॉ. विंजनपाटि यशोधरा

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
गोट्टिपाडु, गुंटूर जिला

एस.लता

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
वेंपल्ली, वै.एस.आर कडपा

डॉ. एम.गोपीनाथ

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
निडगल्लु, विजयनगरम

वी.रवींद्रलाल

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
नागलदिन्ने, कर्नूल

शेक मुहम्मद शरीफ

राज्य संसाधक, मुनिसिपल कार्पोरेशन उच्च पाठशाला,
ग्रीम्स पेटा, चित्तूर

मोगल खाजा हुस्सेन

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
नागिरेड्डीपल्ली, वै.एस.आर कडपा

के. राजशेखर

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
मन्नूरु, वै.एस.आर कडपा

कैलासम शंकरय्या

राज्य संसाधक, जि.प.उच्च पाठशाला,
चिल्लकूरु, एस.पी.एस.आर. नेल्लूरु

तकनीकी सहायता

डी.टी.पी. पेज ले-अवुट : रश्मि ग्राफिक्स

के.नागमणि, एस.ए.हिन्दी, के.जी.बी.वी.गंगवरम, चित्तूर

एम.वी.वी.एन.बलराम मूर्ति, तकनीकी सहायता, जि.प.उच्च पाठशाला, वल्लिपाडु, प.गोदावरी जिला

बी.एस.वी.रमेश, कलाकार, जि.प.उच्च पाठशाला, मल्लवोलु, कृष्णा जिला

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ



- * एन.ई.पी. 2020 की सुझाओं के अनुसार सातवीं कक्षा के पाठ्य पुस्तक में आवश्यक परिवर्तन किये गये हैं ।
- * इस पाठ्य-पुस्तक में 6 पाठ हैं । इन्हें निर्धारित शैक्षिक वर्ष में सेमिस्टर योजना के अनुसार पढ़ाएँ ।
- * इस पाठ्य-पुस्तक से अपेक्षित कौशलों के अनुरूप छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें ।
- * मानक पद्धति के अनुसार भाषा सिखाने के अभ्यास दिये गये हैं । अध्यापक छात्रों का उचित मार्गदर्शन करें ।
- * रोचक कहानियाँ और कविताओं से छात्रों में मनोरंजन के साथ-साथ हिंदी के प्रति अपनेपन की भावना बढ़ती है । गीतों के गायन से छात्रों में सहज रूप से मौखिक हिन्दी शब्दावली का विकास होता है । उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ भी दूर हो सकती हैं ।
- * पाठ्यपुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं । इनकी सहायता से बच्चों से बातचीत करें और करवायें । विवेक बढ़ाने वाले प्रश्न पूछें । बालकों को विविध दृष्टिकोणों से सोचने का अवसर दें ।
- * हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, जैसे भाषा कौशलों के साथ भषांश और सृजनात्मकता और व्याकरणांशों से संबंधित अभ्यास दिये गये हैं । इन सभी का सदुपयोग करें । सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में वैयक्तिक और सामूहिक रूप से करवायें ।
- * पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य पाठ्य पुस्तक में संदर्भानुसार वैयक्तिक या सामूहिक रूप से करवायें ।
- * कृपया अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ इनका सफलता पूर्वक सदुपयोग करें ।
- * इस पाठ्य पुस्तक में व्यावहारिक जीवन संबंधी कुछ आवश्यक शब्दावली का परिचय चित्रों के सहारे दिया गया है ।
- * अध्यापक एवं अध्यापिकाएँ अपनी ओर से आवश्यकता के अनुसार शिक्षण में अतिरिक्त जानकारी प्रदान करें ।
- * इस पुस्तक का लक्ष्य बालकों को भाषा सीखने के लिए प्रेरणा देना है । अतः पुस्तकालय का सदुपयोग करने की दिशा में बालकों को प्रेरित करें ।
- * विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानवीय मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, देश भक्ति, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दें, जिस से छात्र आदर्श नागरिक बन सकें ।

विद्यार्थियों के लिए सूचनाएँ

- * त्रिभाषा सूत्र के अनुसार छठीं कक्षा से हिंदी भाषा का शिक्षण आरंभ होता है ।
- * राष्ट्र भाषा हिंदी का ज्ञान प्राप्त करना हर भारतीय का कर्तव्य है । हिंदी आपके लिए नयी भाषा है, पर सरल और सुंदर भाषा है ।
- * इस पाठ्य पुस्तक में चित्र-कथा, रंग-बिरंगे चित्रों को स्थान दिया गया है । इनके द्वारा आप सहज और मनोरंजक रूप से भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं । बोलने की क्षमता को विकसित कर सकते हैं ।
- * सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना - कौशलों के विकास के लिए पर्याप्त अभ्यास दिये गये हैं । इनके द्वारा श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल और लेखन कौशल का विकास करें ।
- * लिखित कार्य करते समय लिखे जानेवाले वर्णों, शब्दों एवं वाक्यों का मौखिक उच्चारण भी अवश्य करें ।
- * यह पुस्तक आपके दिल में जरूर हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करेगी । खेल-खेल में आप हिंदी भाषा को सीख सकेंगे ।



क्या...कहाँ ?

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
1.	ज्ञान हम को दीजिए	कविता	जून	1
2.	होशियार कौआ	चित्र-कथा	जुलाई	9
3.	आदिवासी नृत्य - धिंसा	जीवन की घटना	जुलाई	21
4.	हम नन्हें बच्चे	कविता	अगस्त	29
5.	ईमानदारी का फल	कहानी	सितंबर	37
6.	पत्र लेखन	पत्र	अक्तूबर	45

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सरस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम् वंदेमातरम्

- बंकिमचंद्र चटर्जी

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंगा ।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंगा ।
तव शुभ नामे जागे ।
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं । मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ तथा इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है । मैं इसके योग्य होने के लिए सदैव प्रयत्न करता रहूँगा । मैं अपने माता-पिता अध्यापकों और बड़ों का आदर करूँगा और सब के साथ शिष्टतापूर्वक व्यवहार करूँगा । मैं अपने देश एवं देशवासियों के प्रति निष्ठा बनाये रखने की प्रतिज्ञा करता हूँ । उनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।



1

ज्ञान हम को दीजिए



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

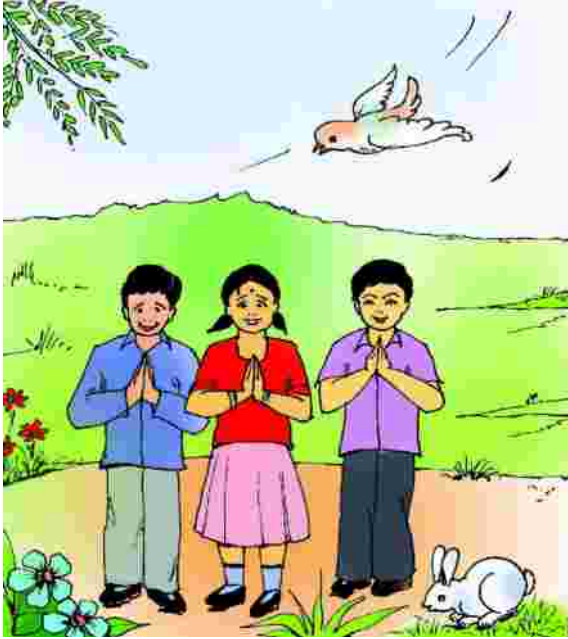
1. इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?

ज्ञान का अर्थ है जानना । हम गुरु से जानकारी लेते हैं । भगवान से प्रार्थना करते हैं । वे हमें ज्ञान प्रदान करते हैं । आज हम ऐसी ही कविता पढ़ेंगे ।

1. ज्ञान हम को दीजिए

- राम नरेश त्रिपाठी

1889-1962



हे प्रभु आनंद - दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ।

शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हम से कीजिए ।

लीजिए हम को शरण में हम सदाचारी बनें ।

निंदा किसी की हम किसी से भूल कर भी न करें ।

ईर्ष्या कभी भी हम किसी से भूलकर भी न करें ।

हे प्रभु आनंद दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ॥

सत्य बोलें, झूठ त्यागें मेल आपस में करें ।
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें ।
प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें ।
हे प्रभु आनंद दाता ! ज्ञान हम को दीजिए ॥



बोलिए :

1. प्रार्थना हम किस से करते हैं ?
2. प्रार्थना हम क्यों करते हैं ?

कविता का सारांश

बालक भगवान से प्रार्थना करते हैं कि - “हे भगवान ! हम को ज्ञान दीजिए । जल्दी हमारे दुर्गुणों को हम से दूर कीजिए । हम किसी की निंदा न करें । हम किसी से ईर्ष्या न करें । हम हमेशा सच कहें । झूठ त्याग दें । हम हमेशा गुरुजनों की सेवा करें । हम प्रेम से संस्कृति की सेवा करें । यही हमारी प्रार्थना है ।”

शब्दार्थ :

- | | | | | | |
|------------|---|----------|------------|---|--------|
| 1. प्रभु | = | भगवान | 2. शीघ्र | = | जल्दी |
| 3. दुर्गुण | = | बुरे गुण | 4. निंदा | = | बुराई |
| 5. ईर्ष्या | = | जलन | 6. त्यागना | = | छोड़ना |
| 7. नित्य | = | सदा | 8. झूठ | = | असत्य |

श्रुतलेख :

प्रभु ज्ञान शीघ्र ईर्ष्या सत्य संस्कृति



सुनिए-बोलिए

1. बालक भगवान से क्या प्रार्थना करते हैं ?
2. बालक किनकी सेवा करना चाहते हैं ?
3. बच्चे किसे त्यागना चाहते हैं ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|-------------|------------------------|
| 1. प्रभु | कभी नहीं बोलना चाहिए । |
| 2. गुरुजनों | से दूर रहना चाहिए । |
| 3. सत्य | आनंददाता है । |
| 4. झूठ | हमेशा बोलना चाहिए । |
| 5. दुर्गुण | की सेवा करनी चाहिए । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रम संख्या कोष्ठक में लिखिए ।

1. प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें । []
2. शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हम से कीजिए । []
3. सत्य बोलें, झूठ त्यागें, मेल आपस में करें । []
4. निंदा किसी की हम किसी से भूल कर भी न करें । []
5. हे प्रभु आनंददाता! ज्ञान हम को दीजिए । [1]

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला “○” बनाइए ।

1. (प्रभु) परभु प्रबु प्रभू
2. शिघ्र शीघ्र शीघर शीघ्र
3. ईरषया ईर्ष्या ईर्ष्या ईरूपय
4. संस्कृति समस्कृति समस्कृति संस्कृति
5. नितय नित्य नीत्य नित्य

ई) नीचे दिए गए वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला ‘○’ बनाइए ।



1. (हमें बड़ों) की सेवा करनी चाहिए ।
2. बच्चे प्रार्थना करते हैं ।
3. दूध पीने से शक्ति मिलती है ।



4. हम सब गेंद से खेलते हैं ।
5. कृषक खेत जोतते हैं ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. आनंद-दाता कौन हैं ? वे हमें क्या देते हैं ?
2. हम सदाचारी कब बन पाते हैं ?
3. गुरुजनों की सेवा कैसे करनी चाहिए ?

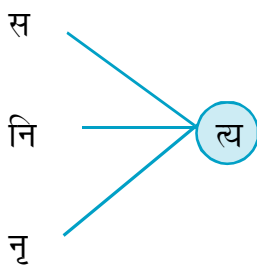
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच - छह वाक्यों में लिखिए ।

1. “ज्ञान हम को दीजिए” पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

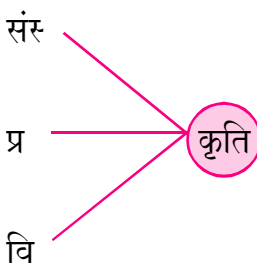
इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए ।

1. भगवान प्रदान करते हैं । (ज्ञान / अज्ञान)
2. हमें से दूर रहना चाहिए । (सुगुण / दुर्गुण)
3. आपस में हमें रहना चाहिए । (मिलजुलकर / झगड़ते)
4. हमें बोलना चाहिए । (सत्य / झूठ)
5. गुरुजनों की सेवा करनी चाहिए । (कभी कभी / नित्य)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द बनाइए ।



1. सत्य.....
2.
3.



1.
2.
3.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

1. सत्य : स् + अ + त् + य + अ
2. नित्य : _____
3. प्रभु : _____
4. ईर्ष्या : _____
5. दुर्गुण : _____



भाषांश

अ) निम्न वर्ग पहेली देखकर पाठ में आये शब्दों को लिखिए ।

प्र	आ	नं	द	सं
भु	शी	घ्र	प्रे	र
ज्ञा	त	ह	म	कृ
न	ल	निं	दा	ति
गु	रू	ज	न	क

1. प्रभु
2.
3.
4.
5.

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. प्रभु - ईश्वर, भगवान
2. आनंद -,
3. सत्य -,
4. नित्य -,
5. सेवा -,



सदा-हमेशा खुशी-हर्ष
उपचार-परिचर्या सुख-चैन
सच-यथार्थ ईश्वर-भगवान

इ) विलोम शब्द लिखिए ।

- | | | |
|-----------|---|--------|
| 1. ज्ञान | × | अज्ञान |
| 2. जल्दी | × | |
| 3. सदाचार | × | |
| 4. सत्य | × | |
| 5. नित्य | × | |



सृजनात्मकता

अ) गाँव का चित्र देखकर शब्द लिखिए ।



परियोजना कार्य :

आ) एक छोटी-सी कविता ढूँढ़िए । कक्षा में दिखाइए ।

अनुवाद कीजिए ।

- | | |
|---------------------------|-------|
| 1. मैं छात्र हूँ । | |
| 2. मैं पाठशाला जाती हूँ । | |
| 3. लड़का खेलता है । | |
| 4. मुझे पढ़ना पसंद है । | |
| 5. मेरे हाथ में कलम है । | |



व्याकरणांश



पुस्तक



अध्यापक



स्याही

संयुक्ताक्षर

दो भिन्न व्यंजनों के मेल को संयुक्ताक्षर कहते हैं।

उदा : सत्य, शक्ति, शब्द, स्वयं आदि।



निम्न लिखित शब्दों में संयुक्ताक्षरों को रेखांकित कीजिए।

शब्द	चम्मच	सत्य	क्या	डिब्बा	अध्यापक
मुश्किल	सत्य	शक्कर	दोस्त	शक्ति	धर्म

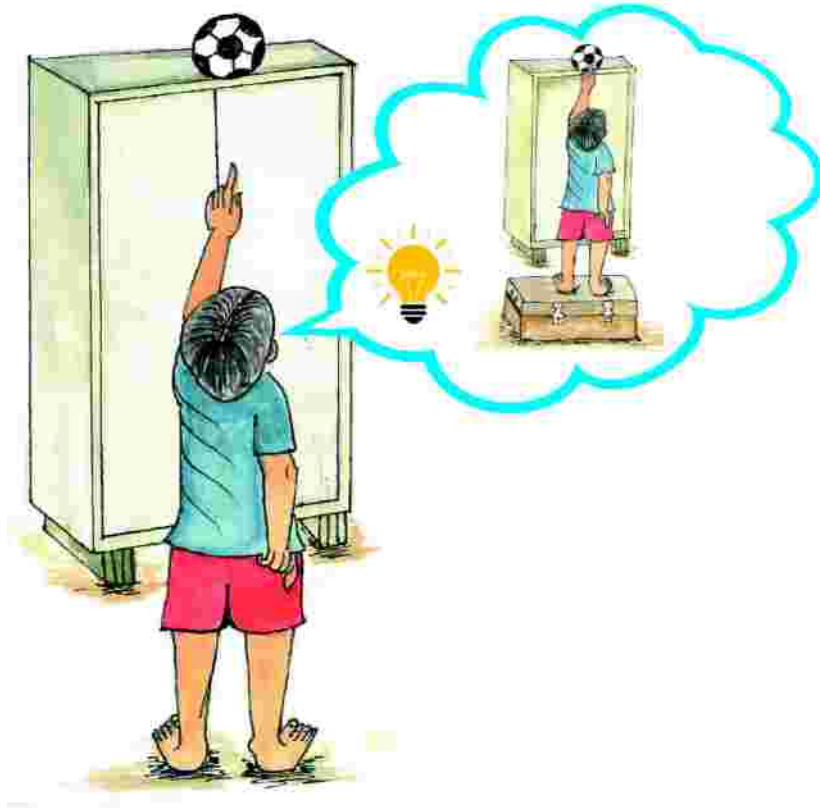
क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. 'ज्ञान हम को दीजिए' कविता के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों में संयुक्ताक्षर पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

राम नरेश त्रिपाठी जी की अन्य रचनाओं में नैतिक गुणों से संबंधित एक और रचना बच्चों को परिचय दीजिए।



सोचिए - बोलिए

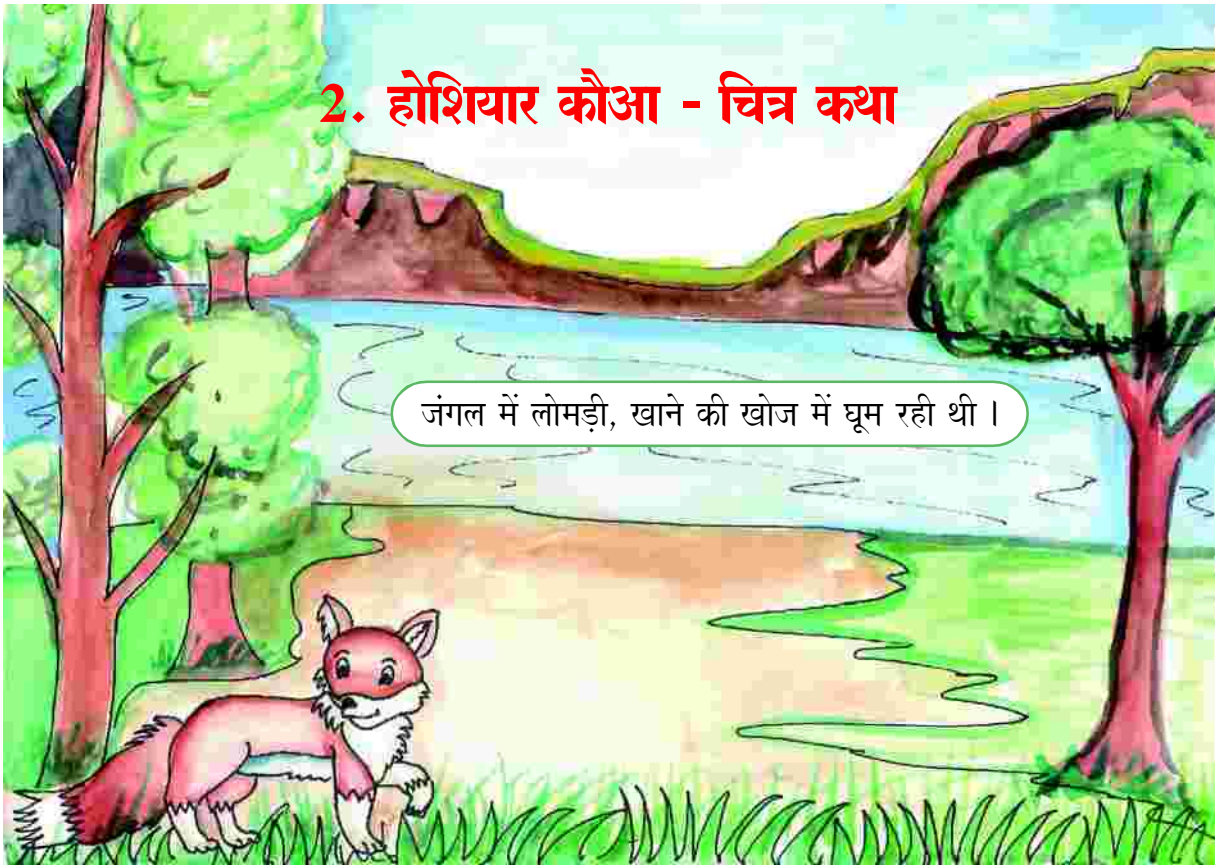


प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. लड़का क्या कर रहा है ?

समस्याओं का हल करने के लिए सोचना जरूरी है । इसके साथ-साथ विवेक भी होना चाहिए । इससे हर जगह सफलता मिलती है । इसी प्रकार कुछ कल्पित पात्रों के सहारे विवेक पाने की प्रेरणा देनेवाली कहानी पढ़ेंगे ।

2. होशियार कौआ - चित्र कथा



पेड़ पर बैठे कौए के मुँह में रोटी देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी भर आया।





कौआ, लोमड़ी और कौए की पुरानी कहानी को जानता है ।

कौआ रोटी को अपने पैरों के नीचे रख कर बोला ।



1. लोमड़ी ने कौए से गाने के लिए क्यों कहा?
2. कौए ने रोटी को अपने पैरों के नीचे क्यों रख लिया ?



कौआ रोटी के टुकड़े को अपनी चोंच में पकड़कर नाचने लगा ।

लोमड़ी ने सोचा -
ओह ! इस बार भी मैं
सफल न हो सका ।



लोमड़ी ने कहा - राजन् ! मैं आपका
गाना और नाचना एक साथ देखकर
अपना जन्म धन्य मानना चाहती हूँ ।





पाठ का सारांश

एक भूखी लोमड़ी जंगल में भटक रही थी। उसकी दृष्टि पेड़ पर बैठे हुए एक कौए पर पड़ी। उसकी चोंच में एक रोटी का टुकड़ा था। लोमड़ी उसे पाना चाहती थी। लोमड़ी ने कौए की प्रशंसा करते हुए उससे गाने को कहा। कौआ रोटी को पैरों में दबाकर गाने लगा। कौए की चालाकी जानकर लोमड़ी ने उसे नाचने को कहा। चोंच में रोटी पकड़ कर कौआ नाचने लगा। अपने को होशियार समझकर लोमड़ी ने कौए से एक साथ नाचने और गाने को कहा। कौआ रोटी खाने के बाद नाचने और गाने लगा। कौआ लोमड़ी से भी चालाक था। लोमड़ी निराश होकर चली गयी।

शब्दार्थ :

जंगल	=	वन	शक्ति	=	ताकत
खोज	=	ढूँढ़ना	भैया	=	भाई
चुराना	=	चोरी करना	पैर	=	पाँव
मधुर	=	मीठा	होशियार	=	बुद्धिमान

श्रुतलेख :

होशियार व्यवहार परिवर्तन बुद्धि नृत्य



सुनिए-बोलिए

1. कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
2. लोमड़ी क्या पाना चाहती थी ?
3. कौए ने लोमड़ी से कैसा व्यवहार किया ?



पढ़िए

अ) चित्र से संबंधित शब्द जोड़िए ।



रोटी

चोंच

कौआ

पेड़

लोमड़ी

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

1. कौआ रोटी को निगल गया । ()
2. लोमड़ी के मुँह में पानी भर आया । (1)
3. रोटी को अपने पैरों के नीचे रख लिया । ()
4. मैं कामयाब नहीं हो सका । ()
5. आपका गाना बहुत मधुर था । ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|------------|---------|---------|---------|
| 1. लमड़ी | लामोड़ी | लोमड़ी | लेमड़ी |
| 2. जगल | जंगल | जांगल | जगल |
| 3. नृत्य | नृथ | नुत्य | नूत्य |
| 4. होशियार | होशियार | हेशियार | होशियार |
| 5. शक्त | सक्ति | शक्ति | शकति |

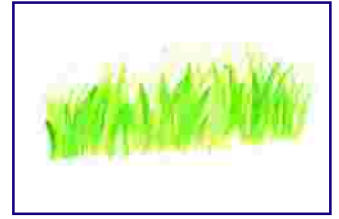
ई) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्द पर गोला “○” बनाइए ।



1. हम पैरों से चलते हैं ।



2. लड़का रोटी खाता है ।



3. यहाँ घास है ।



4. पेड़ पर कौआ है ।



5. लड़की नाचती है ।



लिखिए

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. खाने की खोज में कौन घूम रहा था ?
2. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए ।

“होशियार कौआ” कहानी का सारांश लिखिए ।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए ।

1. लोमड़ी और कौआ में रहते थे । (शहर / जंगल)
2. भोजन की खोज में घूम रही थी । (लोमड़ी / कौआ)
3. रोटी के टुकड़े को कौए ने अपनी से पकड़ा । (चोंच / पंख)
4. मैं आपका सुनना चाहती हूँ । (खाना / गाना)
5. इस कहानी में होशियार निकला । (कौआ / लोमड़ी)

ई) चित्र देख कर पाठ से संबंधी शब्द लिखिए ।



1. खाना



2.



3.



4.



5.



भाषांश

अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के आधार पर चार शब्द बनाइए ।

1. कौआ - आम - मन - नल - लय
2. जंगल - _____
3. गाना - _____
4. होशियार - _____
5. पाँच - _____

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

मीठा-रसीला, पाँव-चरण, वन-कानन, तलाश-ढूँढना, बुद्धिमान-अकलमंद

1. पैर = पाँव - चरण
2. होशियार = _____ , _____
3. जंगल = _____ , _____
4. मधुर = _____ , _____
5. खोज = _____ , _____



सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर शब्द लिखिए ।



1. बाघ
2.
3.
4.
5.

आ) परियोजना कार्य :

कुछ पक्षियों के चित्र संग्रहित करके उनके नाम लिखिए ।

इ) अनुवाद कीजिए :

1. मैं पाठशाला जाता हूँ ।
2. तुम्हारा नाम क्या है ?
3. मुझे हिंदी पसंद है ।
4. आप पाठ पढ़िए ।
5. मेरा भारत महान है ।



व्याकरणांश

संयुक्ताक्षर

- | | | |
|------------------|------------------|------------------|
| 1. क् + त - क्त | 2. क् + म - क्म | 3. क् + ल - क्ल |
| 4. ख् + य - ख्य | 5. ग् + व - ग्व | 6. ग् + न - ग्न |
| 7. ग् + य - ग्य | 8. ग् + ल - ग्ल | 9. च् + छ - च्छ |
| 10. च् + य - च्य | 11. ज् + य - ज्य | 12. ज् + व - ज्व |

13. ण् + ट - ण्ट 14. ण् + व - ण्व 15. त् + क - क्त
 16. त् + व - त्व 17. त् + म - त्म 18. न् + त - न्त
 19. न् + व - न्व 20. प् + त - प्त 21. ब् + ज - बज
 22. भ् + य - भ्य 23. ल् + य - ल्य 24. ल् + प - ल्प
 25. ब् + ज - बज 26. स् + त - स्त



अ) सीखने के लिए और कुछ अभ्यास :

मृत संतुष्ट समुद्र
 मग्न आश्रय रास्ता

1. मृ = म् + ऋ 2. ट = द् + ऋ 3. श्र = श् + र
 4. ष्ट = ष् + ट 5. ग्न = ग् + न 6. स्त = स् + त

आ) नीचे दिए गए शब्दों में से संयुक्ताक्षरवाले शब्द चुनकर लिखिए ।

1. ध्यान धान धेनु धीरे जवाब : ध्यान
 2. पुर पूजा पुस्तक पुराना _____
 3. द्वीप दीप दीख दीन _____
 4. चिकना चिह्न चीज चीन _____
 5. ईटा ईख ईश ईश्वर _____

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता / सकती हूँ ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

होशियारी से संबंधित एक और रचना का बच्चों को परिचय दीजिए ।



3

आदिवासी नृत्य - धिंसा



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. स्त्रियाँ क्या कर रही हैं ?



ऊपर दिये गये चित्र को देखिए । स्त्रियाँ नाच रही हैं । हमारी भारतीय संस्कृति में नृत्यों का भी बड़ा स्थान है । धिंसा एक लोक नृत्य है । यह आदिवासियों का नृत्य है । इस पाठ में आदिवासियों के बारे में भी बताया गया है । उनके त्यौहारों के बारे में भी बताया गया है । आज हम उनके बारे में पढ़ेंगे ।

3. आदिवासी नृत्य - धिंसा

एक दिन हम धिंसा नृत्य के बारे में जानने के लिए 'अरकु' गये थे। यह विशाखपट्टणम जिले का एक पहाड़ी गाँव है। यह एक सुंदर पर्यटक स्थल है। इसे 'आँध्रा ऊटी' भी कहते हैं। यह विशाखपट्टणम से करीब 114 किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ से अरकु जाने के लिए रेल मार्ग भी है। रेल की यात्रा करते समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है। यहाँ की बोरा गुफाएँ बहुत ही प्रसिद्ध हैं। यह एक सुंदर मनमोहक स्थल है।



'अरकु' में रहनेवाले लोगों को आदिवासी कहते हैं। वे 'कुवी' भाषा में बात करते हैं। उस भाषा की कोई लिपि नहीं है। वे कोया, तेलुगु, ओड़िया में भी बात करते हैं। 'धिंसा' उनकी संस्कृति का प्रमुख नृत्य है। इस लोकनृत्य का प्रारंभ 'सोंपी' नामक गाँव में हुआ था। यह त्यौहारों और उत्सवों के दिनों में नाचा जाता है। नृत्य देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। कभी-कभी वे इनके साथ मिलजुल कर नाचते भी हैं।

'धिंसा' का अर्थ है - कूदना, जोर जोर से कदम हिलाना। जहाँ नृत्य किया जाता है, उस स्थान को 'चावड़ी' कहते हैं। वे 'तुडुमु' नामक वाद्य यंत्र का उपयोग करते हैं। इस नृत्य में एक मुख्य नर्तक रहता है। इसे 'नाटकारी' कहते हैं। वह एक हाथ में मोर के पंख और दूसरे हाथ में बांसुरी लेकर नाचता है। यह नृत्य गोलाकार में मानव-हार की तरह बनकर नाचते हैं। दल के सभी लोग नाटकारी के अनुसार नाचते हैं।

वे 'कोरकोट्टा, इटुकला पंडुगा, मोदकोंडम्मा जातरा, नंदी, विटिंग' त्यौहार मनाते हैं। 'मोदकोंडम्मा' उनकी देवी है। उत्तर-आँध्र, ओडिशा के लोग मोदकोंडम्मा की पूजा करते हैं। यहाँ होने वाली जातरा बहुत प्रसिद्ध है। आँध्र सरकार यहाँ पर तरह-तरह के उत्सवों का आयोजन करती है। यह सुंदर और मनमोहक स्थान है।

1. आदिवासियों के बारे में आप क्या जानते हैं ?
2. कुछ प्रमुख पर्यटक स्थानों के नाम बताइए।

पाठ का सारांश

इस पाठ में आदिवासियों के लोक नृत्य धिंसा के बारे में बताया गया है। अरकु एक पहाड़ी गाँव है। प्रकृति के सुंदर दृश्य मन को मोह लेते हैं। 'धिंसा' की शुरुआत सोंपी नामक गाँव में हुआ। यह त्यौहारों और उत्सवों के समय नाचा जाता है। धिंसा का अर्थ है - कूदना और जोर-जोर से कदम हिलाना। सब मिलकर चावड़ी में नाचते हैं। वे 'तुडुमु' नामक वाद्य यंत्र का उपयोग करते हैं। वे अनेक प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। मोदकोंडम्मा उनकी देवी है। यहाँ होने वाली जातरा बहुत है। आँध्रप्रदेश राज्य सरकार ने इस स्थान को पर्यटक स्थल बना दिया है। आँध्रप्रदेश सरकार यहाँ पर अनेक उत्सवों का आयोजन करती है।

शब्दार्थ :

नृत्य	= नाच	करीब	= निकट	प्रसिद्ध	= मशहूर
स्थान	= प्रदेश	दल	= समूह		

श्रुतलेख :

नृत्य विशाखपट्टणम कोरकोट्टा मोदकोंडम्मा बोरा गुफाएँ



सुनिए-बोलिए

1. आदिवासियों का प्रमुख नृत्य क्या है ?
2. अरकु की सुंदरता के बारे में बोलिए ।
3. आंध्र प्रदेश के कुछ लोकनृत्यों के बारे में बताइए ।



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|----------------|--------------------------|
| 1. तुडमु | पर्यटक स्थल है । |
| 2. विटिंग | हाथ में लेकर नाचते हैं । |
| 3. बांसुरी | आदिवासियों की देवी है । |
| 4. अरकु | आदिवासी त्यौहार है । |
| 5. मोदकोंडम्मा | वाद्ययंत्र है । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

- | | |
|--|-------------|
| 1. वे 'कुवी' भाषा में बात करते हैं । | [] |
| 2. यहाँ होने वाली जातरा बहुत प्रसिद्ध है । | [] |
| 3. इस नृत्य में एक मुख्य नर्तक रहता है । | [] |
| 4. अरकु विशाखपट्टणम जिले का पहाड़ी गाँव है । | [1] |
| 5. यह एक सुंदर मनमोहक स्थल है । | [] |

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला “○” बनाइए ।

- | | | | |
|--------------|-------------|------------|-----------|
| 1. नृत्य | नर्तय | नुतय | नुर्तय |
| 2. मूख्य | मुक्क्य | मूक्क्य | मुख्य |
| 3. कोराकोट्ट | कोर्रकोट्टा | कोराकोत्ता | कौराकत्ता |
| 4. सुंदर | सुदर | सूंदर | सुंधर |
| 5. तेलुगु | तेलूगु | तेलूगू | तेलुगू |

ई) चित्र से संबंधित शब्द जोड़िए ।

1. मोर जंगल में रहता है ।
2. रेल की यात्रा सुरक्षित है ।
3. कूचिपूडी आन्ध्र का नृत्य है ।
4. बाँस से टोकरी बनाते हैं ।
5. बाँसुरी का नाद सुरीला है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. धिंसा नृत्य किस प्रदेश का है ?
2. धिंसा का अर्थ क्या है ? यह कहाँ नाचा जाता है ?
3. आदिवासी कौन-कौन से त्यौहार मनाते हैं ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच - छः वाक्यों में लिखिए ।

1. आदिवासियों के नृत्य “धिंसा” के बारे में आप क्या जानते हैं ?

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए ।

1. आदिवासी कुवी भाषा में बोलते हैं। (कुवी / पंजाबी)
2. नृत्य देखने जाते हैं। (परिवार / पर्यटक)
3. धिंसा का जन्मनामक गाँव में हुआ। (सोपी / अरकु)
4. मुख्य नर्तक को कहते हैं। (नाटक / नाटकारी)
5. आदिवासियों की देवी है। (मोदकोंडम्मा / माचम्मा)

ई) चित्र देखकर शब्द लिखिए ।

(शहद कॉफी धिंसा रीठा इमली)



1. शहद



2.



3.



4.



5.

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

1. नृत्य : न् + ऋ + त् + य् + अ
2. धिंसा :
3. सुंदर :
4. पर्यटक :
5. नर्तक :



भाषांश

अ) पाठ के आधार पर वर्ग पहेली से शब्दों को ढूँढ कर लिखिए ।

अ	र	कु
तु	नं	दी
डु	द	ल
मु	ख्	य
बां	सु	री

1. अरकु
2.
3.
4.
5.

आ) विलोम शब्द लिखिए ।

1. गाँव × शहर
2. दूर ×
3. प्रसिद्ध ×
4. एक ×
5. बहुत ×



सृजनात्मकता

अ) कूचिपूडी नृत्य का चित्र देखकर दो शब्द लिखिए ।

.....

.....

.....

.....

.....



आ) कुछ प्रमुख भारतीय नृत्यों के चित्र ढूँढिए और कक्षा में दिखाइए ।

इ) अनुवाद कीजिए ।

1. संक्रांति एक प्रमुख त्यौहार है ।
2. अरकु एक सुंदर पर्यटक स्थल है ।
3. भारत की राजधानी दिल्ली है ।
4. वीणा एक वाद्य यंत्र है ।
5. मोर सुंदर पक्षी है ।



व्याकरणांश

अ) द्वित्वाक्षर: दो समरूपी व्यंजनों के मेल को द्वित्वाक्षर कहते हैं ।

उदा : विशाखपट्टणम, मोदकोंडम्मा, गुस्सा, बच्चा, हिम्मत ।

क् + क = क्क (चक्की)	ग् + ग = ग्ग (सुग्गा)
च् + च = च्चा (सच्चा)	ज् + ज = ज्ज (लज्जा)
ट् + ट = ट्ट (हट्टा)	ड् + ड = ड्ड (अड्डा)
ण् + ण = ण्ण (कण्णन)	त् + त = त्त (भत्ता)
द् + द = द्द (कद्दू)	न् + न = न्न (गन्ना)
ब् + ब = ब्ब (गुब्बारा)	म् + म = म्म (अम्मा)
य् + य = य्य (शय्या)	ल् + ल = ल्ल (बल्ला)
व् + व = व्व (कव्वाली)	स् + स = स्स (रस्सी)

आ) निम्न लिखित गद्यांश में द्वित्वाक्षर शब्द पहचान कर रेखांकित कीजिए ।

संगीत, भरतनाट्यम और करगाट्टम् का जन्म स्थान तमिलनाडु माना जाता है । यहाँ के पहाड़ी प्रदेशों में कोडैक्कानाल, कोल्लिमालै, नीलगिरी प्रमुख हैं । तमिल भाषा बहुत प्राचीन है । तमिल भाषा का शिलप्पाधिकारम् एक महाकाव्य है । तमिल भाषा के तिरुक्कुरल की विश्व वेद माना गया है । इसके लेखक तिरुवल्लुवर हैं । तमिल भाषा सुसंपन्न और समृद्ध भाषा है ।

इ) नीचे दिए गए शब्दों में द्वित्वाक्षर शब्दों को रेखांकित कीजिए ।

- | | | | |
|-----------|---------|--------|--------|
| 1. बच्चा | सत्य | क्या | ग्यारह |
| 2. वत्स | रम्या | गुस्सा | न्याय |
| 3. बल्ला | हत्या | त्याग | उत्साह |
| 4. मक्खी | कच्चा | मान्य | वंदना |
| 5. कल्याण | मल्हारी | जुल्म | पल्लव |

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ ।		
2. पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ ।		
3. धिंसा नृत्य के बारे में अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ ।		
4. द्वित्वाक्षर शब्दों को पहचान सकता हूँ ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

बच्चों को अपने आसपास के अन्य एक और लोकनृत्य का परिचय दीजिए ।





सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. सैनिक क्या कर रहे हैं ?

इस चित्र में हम देख सकते हैं कि - जवान अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। देशभक्ति से संबंधित ऐसी ही एक और कविता आज हम पढ़ेंगे।



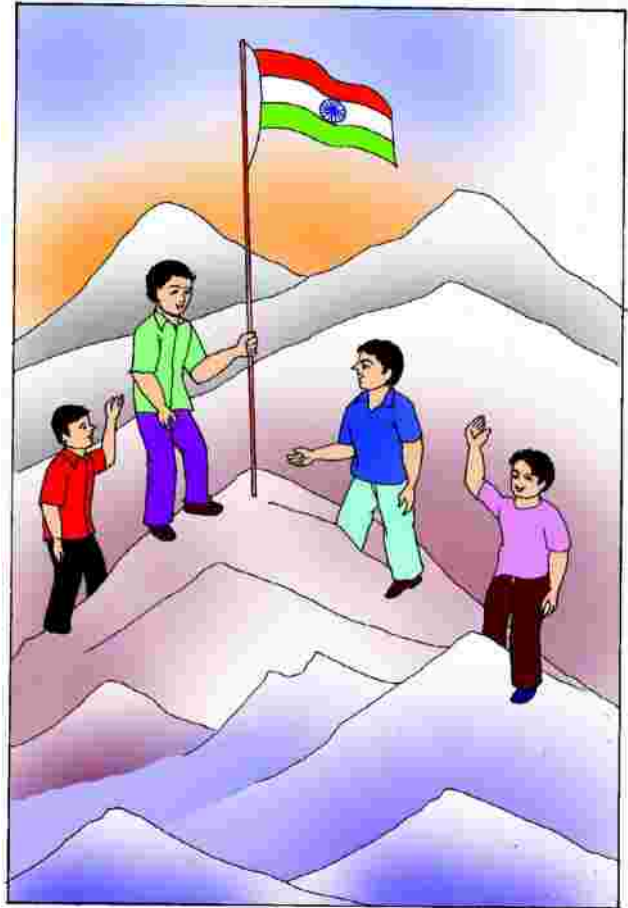
4. हम नन्हें बच्चे

— सोहनलाल द्विवेदी
जीवनकाल : 1906 - 1988

हम नन्हें-नन्हें बच्चे हैं,
नादान, उमर के कच्चे हैं,
पर अपनी धुन के सच्चे हैं।
जननी की जय-जय गाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे,
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
जननी की जय-जय बोलेंगे।
अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत की ध्वजा फहराएँगे।



1. बच्चों में कौन-कौन से गुण होते हैं ?
2. शहीद किसे कहते हैं ?

पाठ का सारांश

कवि कहते हैं कि - हम छोटे बच्चे हैं। हम नादान हैं। हम कम उम्र के हैं। हम सच बोलते हैं। हम भारतमाता की जय गाते हैं। हम भारत का झंडा फहराते हैं। हम अच्छे रास्ते पर चलते हैं। हम अपना वादा नहीं तोड़ते हैं। हम धैर्य से रहते हैं। हम कभी नहीं डरते हैं। जरूरत पड़ने पर हम अपनी ताकत दिखाते हैं।

शब्दार्थ :

उम्र	=	आयु	धुन	=	लगन
ताकत	=	शक्ति	नाता	=	संबंध
पथ	=	मार्ग	शान	=	प्रतिष्ठा
प्रण	=	वादा	हिम्मत	=	धैर्य
ध्वजा	=	झंडा	नन्हें	=	छोटे

श्रुतलेख :

नन्हें बच्चे ध्वजा हिम्मत प्रण



सुनिए-बोलिए

1. बच्चे कैसे होते हैं ?
2. बच्चे क्या तोड़ना नहीं चाहते हैं ?
3. बच्चे क्या फहराना चाहते हैं ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|-----------------|--------------------|
| 1. बच्चे जननी | भेंट चढ़ाएँगे । |
| 2. बच्चे हिम्मत | ध्वजा फहराएँगे । |
| 3. अपना सिर | पर चढ़ जाएँगे । |
| 4. भारत की | की जय गाएँगे । |
| 5. हम हिमगिरि | से नाता जोड़ेंगे । |

आ) पाठ में वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

- | | |
|-------------------------------|-----------|
| 1. हम भय से कभी न डोलेंगे । | [] |
| 2. जननी की जय-जय गाएँगे । | [] |
| 3. अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे । | [] |
| 4. नादान, उमर के कच्चे हैं । | [1] |
| 5. अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे । | [] |

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|----------|--------|--------|--------|
| 1. कच्चे | कचचे | कच्चो | कच्चू |
| 2. हम्मत | हिम्मत | होम्मत | हेम्मत |
| 3. भेट | भेंटा | भेंट | भेंटी |
| 4. दवजा | धवजा | ध्वजे | ध्वजा |
| 5. धुन | धून | धोन | धीन |

ई) चित्रों से संबंधित शब्दों पर गोला '○' बनाइए ।



1. हम सब नन्हें बच्चे हैं । 2. बच्चे हिमगिरि पर चढ़ेंगे । 3. यह भारत का झंडा है ।



4. अपना पथ कभी न छोड़ेंगे । 5. बच्चे भारत माता का जय गान करेंगे ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे - छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. बच्चे अपनी धुन के कैसे हैं ?
2. बच्चे किससे नाता जोड़ना चाहते हैं ?
3. भारत की शान कब बढ़ेगी ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए ।

“हम नन्हें बच्चे” - कविता का सारांश लिखिए ।

इ) उचित शब्दों से खाली जगह भरिए :

1. बच्चे नादान उम्र के कच्चे होते हैं । (कच्चे / सच्चे)
2. वे अपनाकभी न तोड़ेंगे । (प्रण / वन)
3. सब मिल कर भारत की उड़ाएँगे । (ध्वजा / धुन)
4. बच्चे से नाता जोड़ेंगे । (हिम्मत / हिमगिरी)
5. बालक अपनी को तोलेगा । (ताकत / उमर)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द बनाइये ।



उ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

1. बच्चे : ब् + अ + च् + च् + ए
2. नन्हें :
3. धुन :
4. ध्वजा :
5. ताकत :



भाषांश

अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों के आधार पर चार शब्द बनाइए ।

1. उमर	रजत	तन	नयन	नर
2. पथ	_____	_____	_____	_____
3. शान	_____	_____	_____	_____
4. भारत	_____	_____	_____	_____
5. जय	_____	_____	_____	_____

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. रास्ता : राह, पथ
2. ताकत :
3. जननी :
4. प्रण :
5. ध्वजा :



सृजनात्मकता

अ) चित्र को देखकर दो शब्द लिखिए ।



.....

.....

आ) परियोजना कार्य :

देशभक्ति से संबंधित दो नारे लिख कर कक्षा में दिखाइए ।

इ) अनुवाद कीजिए :

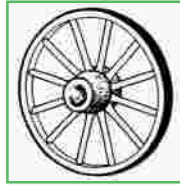
1. झंडा राष्ट्र की शान है ।
2. मैं भारत का नागरिक हूँ ।
3. हिमालय ऊँचा पर्वत है ।
4. बच्चे खेलना पसंद करते हैं ।
5. हम सब गीत गाते हैं ।



व्याकरणांश



सूर्य



चक्र



ट्रक

- स्वर्ग
1. मार्ग } र् + ग = र्ग
वर्ग

जब “र” व्यंजन स्वर रहित होता है, तो यह अपने से आगेवाले वर्ण के सिर पर लगता है।

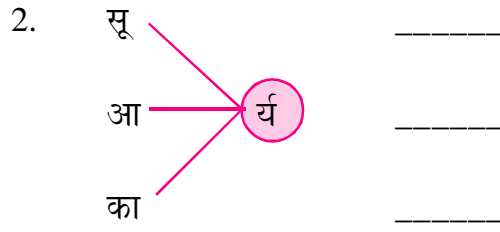
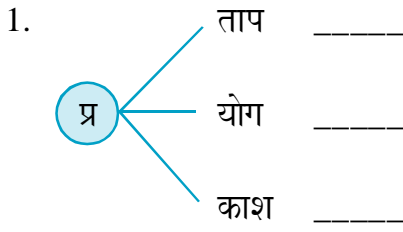
- चक्र
2. वक्र } क + र = क्र
जिक्र

“र” से पहले कोई भी स्वर रहित व्यंजन होने पर वह उसके पैरों में लगता है।

- ट्रक
3. ट्रंप } ट्र + र = ट्र
ट्राली

‘ट’ ‘ड’ व्यंजन के साथ “र” का संयोग होने पर इनके नीचे वह अपना रूप बिलकुल परिवर्तित कर लेता है ।

अ) नीचे दिये गये संकेतों के आधार पर शब्द लिखिए ।



आ) नीचे दिए गए वाक्यों में से ‘रेफ’ शब्दों के नीचे रेखांकित कीजिए ।

- हमारे झंडे के बीच में अशोक चक्र है ।
- सुरेश ड्रामा देखने गया ।
- सूर्य की किरणें तेज होती हैं ।
- चंद्र को चाँद भी कहते हैं ।
- कर्ण को दान कर्ण कहते हैं ।

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ ।		
2. मैं कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ ।		
3. मैं ‘‘हम नन्हें बच्चे हैं’’ पाठ को अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ ।		
4. मैं ‘रेफ’ वाले शब्दों को पहचान सकता / सकती हूँ ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

सोहनलाल द्विवेदी जी के द्वारा लिखित देशभक्ति से संबंधित कविता को गाकर सुनाइए ।





5

ईमानदारी का फल



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है ?
2. लड़का क्या कर रहा है ?



दया, परोपकार, विनय, सेवा, ईमानदारी नैतिक गुण कहलाते हैं। उनके आचरण से मानव का जीवन सही मार्ग पर चलता है। इसका फल महान होता है। उपर्युक्त चित्र से ऐसे गुणों को हम सीख सकते हैं। आज हम इस से संबंधित कहानी पढ़ेंगे।

5. ईमानदारी का फल

एक लकड़हारा था। वह जंगल में नदी के किनारे लकड़ियाँ काटता था। वह उन लकड़ियों को बेच कर अपना जीवन बिताता था। एक दिन वह नदी के किनारे लकड़ियाँ काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी नदी में गिर गई। इसे देख कर वह रोने लगा।

लकड़हारे को देखकर नदी की देवी जल से बाहर आयी। देवी ने लकड़हारे से रोने का कारण पूछा। लकड़हारे ने कहा कि - “देवी माँ, मेरी कुल्हाड़ी नदी में गिर गयी। यही मेरे जीवन का आधार है।” देवी को उस पर दया आयी। देवी ने उसको सोने की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा कि “यह मेरी नहीं है।”

देवी फिर जल के अंदर गई। जल से बाहर आकर देवी ने चाँदी की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा - “यह भी मेरी नहीं है।” तीसरी बार देवी ने लोहे की कुल्हाड़ी दिखाई। लकड़हारे ने कहा कि “हाँ यही मेरी कुल्हाड़ी है।”

देवी ने कहा कि “मैं तुम्हारी ईमानदारी से बहुत खुश हूँ। इसलिए ये तीनों कुल्हाड़ियाँ ले लो।” लकड़हारे ने देवी को प्रणाम किया। खुशी से तीनों कुल्हाड़ियाँ लेकर चला गया। इस कहानी से यह सीख मिलती है कि - “ईमानदारी का फल मीठा होता है।”

1. जंगल में क्या-क्या मिलते हैं ?
2. परियों के बारे में तुम क्या जानते हो ?



पाठ का सारांश

एक लकड़हारे की कुल्हाड़ी नदी में जा गिर गई। नदी की देवी ने उसे सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ दिखाई। लेकिन उसने ईमानदारी से अपनी कुल्हाड़ी ही माँगी। इससे उसे तीनों कुल्हाड़ियाँ ईनाम के रूप में मिलीं। इस से यह शिक्षा मिलती है कि ईमान दारी का फल मीठा होता है।

शब्दार्थ :

जंगल	=	वन	नदी	=	सरिता
मीठा	=	मधुर	लकड़हारा	=	लकड़ियाँ काटनेवाला
ईमानदारी	=	सच्चाई	सीख	=	नीति
चाँदी	=	रजत	सोना	=	कनक, कंचन

श्रुतलेख :

कुल्हाड़ी ईमानदारी जंगल लकड़हारा चाँदी लकड़ियाँ प्रणाम जीवन



सुनिए-बोलिए

1. नदी से क्या - क्या लाभ हैं ?
2. कुछ पेड़ों के नाम बताइए ।
3. ईमानदारी का फल कैसा होता है ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | |
|--------------|----|
| 1. कुल्हाड़ी | अ) |
| 2. देवी | आ) |
| 3. लकड़हारा | इ) |
| 4. पहाड़ | ई) |
| 5. पेड़ | उ) |



आ) पाठ में नीचे दिये गये वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर उनकी क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए।

1. उसने सोने की कुल्हाड़ी दिखाई। ()
2. एक लकड़हारा था। (1)
3. हाँ, यही मेरी कुल्हाड़ी है। ()
4. लकड़हारा रोने लगा। ()
5. यह मेरी नहीं है। ()

इ) सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला '○' बनाइए।

- | | | | |
|--------------|-----------|-----------|-----------|
| 1. ईमनदरी | ईमेनदारी | ईमुनदारी | ईमानदारी |
| 2. दसरी | दूसरी | दोसरी | देसरी |
| 3. लकेड़हरा | लकड़हारा | लकुड़हारा | लकिड़हारा |
| 4. कुल्हाड़ी | कुल्हेड़ी | कुल्हाड़े | कुल्हाडु |
| 5. पणाम | प्रणाम | पेणाम | प्रेणाम |

ई) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर '○' गोला बनाइए।

1. यह सोने की अंगूठी है।
2. ये चाँदी के नूपुर हैं।
3. यह लोहे की कुल्हाड़ी है।
4. यह पीतल की कटोरी है।
5. यह ताँबे का गिलास है।





लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. लकड़हारा क्या करता था ?
2. नदी की देवी क्यों खुश हुई ?

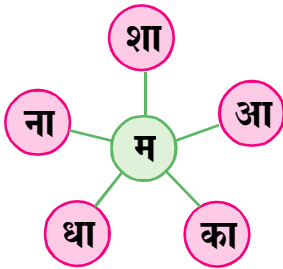
आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए ।

“ईमानदारी का फल” कहानी का सारांश लिखिए ।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. वह में लकड़ियाँ काटता था । (जंगल / मैदान)
2. नदी में जा गिरी । (कुल्हाड़ी / लकड़ी)
3. नदी की देवी आयी । (अंदर / बाहर)
4. देवी ने उसको कुल्हाड़ियाँ दे दीं । (एक / तीनों)
5. ईमानदारी का फल होता है । (मीठा / कड़ुआ)

ई) संकेतों के आधार पर शब्द लिखिए ।



शाम

.....

उ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

1. जंगल : ज् + अं + ग् + अ + ल् + अ
2. कुल्हाड़ी :
3. आधार :
4. प्रणाम :
5. कहानी :



भाषांश

अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द बनाइए ।

उदा : लकड़हारा - राम - मगर - रमेश - शरत्

1. जंगल :,,,
2. नदी :,,,
3. देवी :,,,
4. सोना :,,,
5. एक :,,,

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. जल : पानी, नीर
2. जंगल :
3. लकड़ी :
4. मीठा :
5. खुश :



अ) विलोम शब्द लिखिए ।

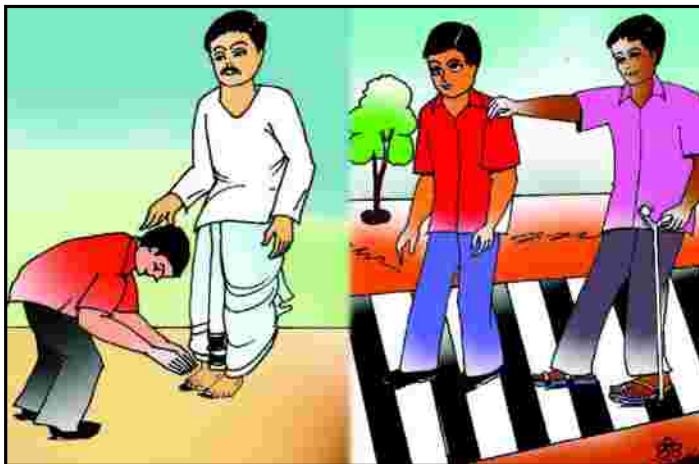
1. बाहर X अंदर
2. आना X
3. गिरना X
4. ईमान X
5. अपना X





सृजनात्मकता

(अ) चित्र को देखकर छोटे-छोटे शब्द लिखिए ।



1. लड़का 2. 3. 4. 5.

(आ) परियोजना कार्य ।

कुछ नीति वाक्यों का संकलन कीजिए ।

(इ) अनुवाद कीजिए ।

- | | |
|--------------------------------------|-------|
| 1. लकड़हारा लकड़ियाँ काटता है । | |
| 2. जंगल में अनेक जीव-जंतु रहते हैं । | |
| 3. नदी में मछलियाँ रहती हैं । | |
| 4. सोना बहुत महँगा है । | |
| 5. बड़ों को प्रणाम करना चाहिए । | |



व्याकरणांश



तोता



रानी



बिल्ली



दूध



लकड़ी



बूढ़ा



मोर

(अ) परिभाषा:

किसी व्यक्ति, स्थान, गुण या वस्तु के नाम को “संज्ञा” कहते हैं।

उदाहरण:- मोहन, लड़का, दिल्ली, पानी, मेज, धर्म आदि।

(आ) निम्न लिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को पहचानकर लिखिए।

1. सब धर्म अच्छे होते हैं।धर्म.....
2. मैदान में घोड़ा है।
3. दीपा गाती है।
4. वे विजयवाड़ा में रहते हैं।
5. “हिंदी” सरल भाषा है।



(इ) नीचे दिये गये वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए।

1. वह जंगल में लकड़ियाँ काटता था।
2. नदी की देवी जल से बाहर आयी।
3. यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।
4. एक लकड़हारा वन में गया।
5. देवी को उस पर दया आयी।

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ।		
2. पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता / सकती हूँ।		
3. पाठ से संबंधित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को पहचान सकता / सकती हूँ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

ईमानदारी से संबंधित कुछ घटनाओं का वर्णन कीजिए।



सोचिए - बोलिए



प्रश्न

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं ?
2. पत्र क्यों लिखा जाता है ?

अपनी भावनाओं को दूसरों तक पहुँचाने के लिए पत्र लिखते हैं। पत्रों से सूचनाएँ मिलती हैं।

6. पत्र-लेखन

छुट्टी पत्र

रामापुरम,

दिनांक: 20.10.2021.

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
रामापुरम ।

महोदय,

सादर प्रणाम । मैं सातवीं कक्षा का छात्र हूँ । मुझे दो दिन से बुखार है । मैं अस्पताल जाना चाहता हूँ । इस कारण से मैं पाठशाला आ नहीं सकता हूँ । इसलिए मुझे दिनांक 20.10.2021 से 22.10.2021 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद ।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

सुरेश,

क्रमांक-19,

सातवीं कक्षा ।

1. हम पत्र क्यों लिखते हैं ?

शब्दार्थ :

बुखार	=	ज्वर	छुट्टी	=	अवकाश
महोदय	=	महाशय	कृपा	=	दया
आज्ञाकारी	=	विनम्र	कक्षा	=	वर्ग

श्रुतलेख :

प्रधानाध्यापक आज्ञाकारी क्रमांक पाठशाला बुखार








सुनिश्चित-बोलिए

1. इस पत्र में कौन अस्वस्थ है ?
2. सुरेश ने कितने दिनों की छुट्टी माँगी ?
3. सुरेश किस कक्षा का छात्र है ?



पढ़िए

अ) जोड़ी बनाइए :

- | | | |
|----|--|---------|
| 1. |  | अस्पताल |
| 2. |  | छात्र |
| 3. |  | पाठशाला |
| 4. |  | कलम |
| 5. |  | छात्रा |

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों के सही क्रम को पहचानकर क्रमसंख्या कोष्ठक में लिखिए ।

- | | |
|------------------------------------|-------------|
| 1. छुट्टी देने की कृपा करें । | () |
| 2. मुझे दो दिनों से बुखार है । | () |
| 3. मैं सातवीं कक्षा का छात्र हूँ । | (1) |
| 4. मैं अस्पताल जाना चाहता हूँ । | () |
| 5. मैं पाठशाला नहीं आ सकता । | () |

इ) सही वर्तनी वाले शब्द पर गोला '○' बनाइए ।

- | | | | |
|------------------|-------------|-----------|---------------|
| 1. महोदाय | महोदय | महोयद | माहोदय |
| 2. प्राधानाध्यपक | पधानाध्यापक | पधनाध्यपक | प्रधानाध्यापक |
| 3. आस्पताल | आसापताल | अस्पताल | आसापाताल |
| 4. धनयावाद | धन्यवाद | धान्यवाद | धन्यवादा |
| 5. पाठशाला | पाठाशाला | पठशाला | पाठशाल |

ई) नीचे दिये गये वाक्यों में चित्रों से संबंधित शब्दों पर '○' गोला बनाए ।



लड़का ○ पत्र लिखता है ।



यह डाक घर है ।



अध्यापिका पाठ पढ़ाती हैं ।



बालक चिट्ठी डाक डिब्बे में डालता है ।



लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखिए ।

1. सुरेश ने किसको पत्र लिखा ?
2. पत्र का विषय क्या है ?

आ) नीचे दिये गये प्रश्न का उत्तर पाँच-छह वाक्यों में लिखिए ।

आप अपनी बहन की शादी में जाना चाहते हैं । इसलिए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पर पत्र लिखिए ।

इ) उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

- | | |
|--------------------------------------|-------------------|
| 1. सुरेश सातवीं कक्षा में पढ़ता है । | (तीसरी / सातवीं) |
| 2. मुझे दो दिन से है । | (बुखार / हैजा) |
| 3. मैं जाना चाहता हूँ । | (मंदिर / अस्पताल) |
| 4. मैं नहीं आ सकता । | (घर / पाठशाला) |
| 5. मुझे दिन की छुट्टी दीजिए । | (सात / तीन) |

ई) चित्र देख कर पाठ संबंधी वाक्य लिखिए ।



डाकिया पत्र लाता है ।



उ) पत्र के प्रारूप के अनुसार नीचे दिये गये शब्दों को उनके सही स्थान पर लिखिए ।

- आपका आज्ञाकारी
- सेवा में
- पता
- स्थान
- विषय
- धन्यवाद
- महोदय
- दिनांक

ऊ) वर्ण विच्छेद कीजिए ।

- छुट्टी : छ् + उ + ट् + ट + ई
- पत्र :
- महोदय :
- प्रधानाध्यापक :
- कृपा :



भाषांश

अ) अंत्याक्षरी विधि के अनुसार नीचे दिये गये शब्द के आधार पर चार शब्द बनाइये ।

- | | | | | |
|------------------|------------|-----------|----------------|-----------|
| 1. प्रधानाध्यापक | <u>कलम</u> | <u>मन</u> | <u>नमस्कार</u> | <u>रस</u> |
| 2. महोदय | | | | |
| 3. सरकार | | | | |
| 4. अस्पताल | | | | |
| 5. पाठशाला | | | | |

आ) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(करुणा, दया, आज्ञापालक, दर्जा, वर्ग, तिथि, तारीख, अवकाश, विश्राम, विनम्र)

- आज्ञाकारी - विनम्र, आज्ञापालक
- कक्षा -
- दिनांक -
- कृपा -
- छुट्टी -

इ) विलोम शब्द लिखिए

- सरकारी × गैर सरकारी
- रात × _____
- आना × _____
- आज्ञा × _____
- लेना × _____





सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर वाक्य लिखिए ।



.....



.....



.....



.....



.....

आ) परियोजना कार्य

पत्र के विभिन्न रूपों को कक्षा में दिखाइए ।

इ) अनुवाद कीजिए।

1. छात्र खत लिखता है ।
2. हमारी पाठशाला में दीवार-पत्रिका है ।
3. हम सब गीत गाते हैं ।
4. हमारे घर के पास डाकघर है ।
5. डाकिया चिट्ठी लाता है ।



व्याकरणांश

घोड़ा



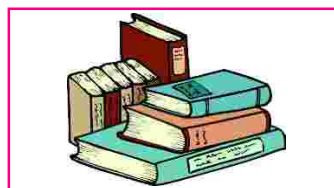
घोड़े



किताब



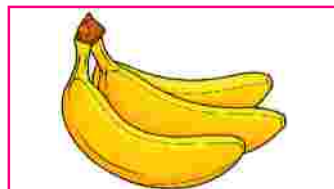
किताबें



केला



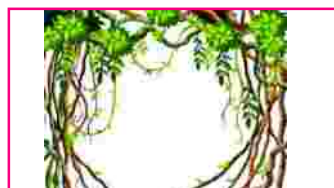
केले



लता



लताएँ



कलम



कलमों



शब्द के जिस रूप से एक या अनेक का बोध होता हो, उसे “वचन” कहते हैं ।

जिस शब्द से एक का बोध होता है उसे “एक वचन” कहते हैं ।

जिस शब्द से दो या दो से अधिक का बोध होता है उसे “बहु वचन” कहते हैं ।

अ) निम्न लिखित गद्यांश में बहु वचन शब्दों को रेखांकित कीजिए ।

हम सातवीं कक्षा के छात्र हैं । हमारी पाठशाला में छात्राएँ और छात्र पढ़ते हैं । हमारी पाठशाला में दस कक्षाएँ हैं । लड़कियाँ और लड़के मैदान में खेलते हैं । ग्रंथालय में कई प्रकार की पुस्तकें हैं ।

आ) नीचे दी गयी तालिका के आधार पर चार - पाँच वाक्य लिखिए ।

मैं			
हम			
तुम		खेलता	हूँ ।
आप	फुटबॉल	खेलते	हैं ।
यह		खेलती	हैं ।
वह			हो ।
ये			
वे			

उदा:- अ) मैं फुटबॉल खेलता हूँ ।

(एकवचन)

आ) हम फुटबॉल खेलते हैं ।

(बहुवचन)

1. अ)

2. अ)

आ)

आ)

3. अ)

4. अ)

आ)

आ)

क्या मैं यह कर सकता / सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता / सकती हूँ ।		
2. पत्र रचना के बारे में अपने शब्दों में बता सकता / सकती हूँ ।		
3. छुट्टी पत्र लिख सकता / सकती हूँ ।		

अध्यापकों के लिए सूचना :

पत्र के विविध प्रकारों के बारे में जानकारी दीजिए ।



Academic standards / Learning Outcomes

शैशिक मापदंड / सीखने की संप्राप्ति

1. सुनना-बोलना:-

- * सुनकर जानी हुई बातें प्रकट करना ।
- * सुने हुए अंशों के बारे में कौन? क्या? कहाँ? जैसे प्रश्नों के उत्तर देना?
- * सूचनाएँ सुनकर अर्थ-ग्रहण करके उसी के अनुसार कर सकना ।
- * सुनते समय शब्दों के उच्चारण भेदों को पहचानना ।
- * जाने हुए और देखे हुए विषयों के बारे में स्वतंत्रता से बोल सकना ।
- * चित्रों के आधार पर बोल सकना कौन है? क्या हो रहा है? क्या कर रहे हैं? जैसे विषयों के बारे में बोल सकना ।
- * द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को स्पष्ट रूप से उच्चारण कर सकना ।

2. पढ़ना:-

- * गीत और कविताओं में वाक्यों को पहचान सकना ।
- * दिये गये विषयों में द्वित्वाक्षर और संयुक्ताक्षरों को पहचान सकना ।
- * वाक्यों को पढ़ते समय शब्दों उच्चारण स्पष्ट रूप से हो सकना ।
- * चित्रों से सही शब्द जोड़ सकना ।
- * पाठ पढ़कर अर्थ ग्रहण कर सकना ।

3. लिखना:-

- * छोटे-छोटे वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिख सकना ।
- * संकेतों के आधार पर शब्द बना सकना ।
- * वर्ण विच्छेद कर सकना ।
- * अपने शब्दों में पाठ का सारांश लिख सकना ।

4. सृजनात्मकता / भाषांशः

- * गीत और कविताओं को लय के अनुसार गाना ।
- * चित्र देखकर शब्द लिखना ।
- * छोटे-छोटे वाक्यों को अपनी भाषा में अनुवाद करना ।
- * शब्द कोश का उपयोग करते हुए शब्दार्थ और पर्यायवाची शब्दों को अध्ययन करना ।
- * अंत्याक्षरी विधि से नये शब्द बनाना ।

5. व्याकरणांश

- * व्याकरणांशों का ज्ञान प्राप्त करना । (संयुक्ताक्षर, द्वित्वाक्षर, रेफ, संज्ञा, वचन, लिंग, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण)
- * व्याकरण के नियमों को स्पष्ट रूप से पहचानना, संदर्भानुसार व्याकरण दोषों के बिना लिख सकना ।

రంగుల యే నామ

సఫేద	-	White	-	తెలుపు రంగు
కాలా	-	Black	-	నలుపు రంగు
పీలా	-	Yellow	-	పసుపురంగు
హరా	-	Green	-	ఆకుపచ్చరంగు
లాల్	-	Red	-	ఎరుపు రంగు
నీలా	-	Blue	-	నీలం రంగు
గులాబీ	-	Rose	-	గులాబీ రంగు

ఫలాల యే నామ

అనార	-	Pomegranate	-	దానిమ్మ
ఆమ	-	Mango	-	మామిడి
సंतरా	-	Orange	-	నారింజ
పపీతా	-	Papaya	-	బొప్పాయి
అంగూర	-	Grapes	-	ద్రాక్ష
అమరూద	-	Guava	-	జామ
సేబ	-	Apple	-	ఆపిల్

గినతి

ఁక	-	1	గ్యారహ	-	11	ఇక్కిస	-	21
దొ	-	2	బారహ	-	12	బార్స	-	22
తొన	-	3	తొరహ	-	13	తొర్రస	-	23
఑ార	-	4	఑ొదహ	-	14	఑ొబీస	-	24
పొ఑	-	5	పంద్రహ	-	15	ప఑్఑ీస	-	25
఑ః	-	6	సొలహ	-	16	఑బ్బీస	-	26
సాత	-	7	స఑్రహ	-	17	స఑్఑ార్స	-	27
ఆ఑	-	8	అ఑ారహ	-	18	అ఑్఑ార్స	-	28
నొ	-	9	఑఑్఑ీస	-	19	఑న఑ీస	-	29
దస	-	10	బీస	-	20	఑ీస	-	30

शब्दकोश

अच्छा	=	మంచి, good	धुन	=	లీనమగుట, Zeal, Tune up
अनुकरण	=	అనుకరించడం, imitation	ध्वजा	=	జెండా, Flag
अस्पताल	=	అసుపత్రి, Hospital	धन्यवाद	=	ధన్యవాదములు, Thanks
आनंद	=	సంతోషము, -Happy	निंदा	=	అపవాదము, Blame
आपस में	=	ఒకరికొకరు, Each other	नित्य	=	ప్రతిరోజు, Regularly
आयोजन	=	నిర్వహణ, organize	निगलना	=	మింగడం, Swallow
आज्ञाकारी	=	విధేయుడు, obedient	पंख	=	ఈక, Feather.
ईर्ष्या	=	అసూయ, Jealous	नाता	=	సంబంధము, Relationship
ईमानदारी	=	నిజాయితీ, Honesty.	पहाड़	=	పర్వతము, Mountain
उत्सव	=	ఉత్సవము, celebration	पर्यटक	=	యాత్రికుడు, Tourist
उम्र	=	వయసు, Age	पथ	=	మార్గము, దారి, Path, Road
कौआ	=	కాకి, Crow	प्रण	=	ప్రతిజ్ఞ, Pledge
करीब	=	దగ్గర, Close	प्रधानाध्यापक=	=	ప్రధానోపాధ్యాయుడు, Headmaster
कूदना	=	దుముకుట, Bounce, Jump	पत्र	=	ఉత్తరం, Letter
कदम	=	అడుగు, Step	फहराना	=	ఎగురవేయుట, Hoist
किनारा	=	ఒడ్డు, తీరము, Bank, Coast	बाँसुरी	=	పిల్లనగ్రోవి, Flute
कृपा	=	దయ, Mercy	बुखार	=	జ్వరము, Fever.
कक्षा	=	తరగతి, Class room	भूल	=	తప్పు, పొరపాటు, Mistake
क्रमांक	=	క్రమసంఖ్య, Roll Number	भेंट	=	కానుక, Gift
चुराना	=	దొంగలించుట, Steal	मानना	=	అంగీకరించుట, to accept
चोंच	=	ముక్కు, Beak	महोदय	=	అయ్యా, Sir
चढ़ाना	=	ఎక్కించుట, Lift	लकड़हारा	=	కట్టెలు కొట్టేవాడు, Woodcutter
छीनना	=	లాక్కోవడం, Snatch	शीघ्र	=	వెంటనే, Immediately
छुट्टी	=	సెలవు, Leave, Holiday	शान	=	గొప్పదనం, Magnificance
छात्र	=	విద్యార్థి, Student	सदाचार	=	సత్రప్రవర్తన, Gentleness
जंगल	=	అడవి, Forest	सेवा	=	సేవ, Service
झूठ	=	అబద్ధము, Lie	संस्कृति	=	సంస్కృతి, Culture
त्याग	=	త్యాగము, Sacrifice	सरकार	=	ప్రభుత్వము, Government
खोज	=	వెదుకు, Search	होशियार	=	తెలివైన, Brilliant
त्यौहार	=	పండుగ, Festival	हिलाना	=	కదిలించడం, Shakeup
ताकत	=	శక్తి, Stamina	हिम्मत	=	ధైర్యము, Daring
दुर्गुण	=	దుర్గుణము, Bad quality	ज्ञान	=	జ్ఞానము, Knowldge
दूर	=	దూరము, Far			
दिमाग	=	మెదడు, Brain			
दल	=	బట్టు, Team.			